



जयपुर-राजस्थान (राज.)। राजस्थान पर्यटन एवं पर्यटन के माननीय राज्यपाल हरिभाऊ किमनराव कादरे को स्वागत करने के पश्चात् चैरिंग काई भेंट करते हुए राजयोगिनी ब.कु. निमेषा टीरी। साथ है अन्य ब.कु. भाई-बहनें।



महाभारत-विहार। पंचायत राज विभाग के मेरी केदार प्रसाद गुप्ता को राधामुखी बागते हुए विहार एवं झारखंड मंत्रालय प्रभारी राजयोगिनी ब.कु. गर्ग टीरी।



चाइना-गुआंगडौ। भारतीय महावाणिज्य दूतावास के सहयोग से ब्रह्मकुमारियों संस्थान व पर्वी इको कैली आयुर्वेद रिमोट के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वालन कर शुभारम्भ करते हुए ब्रह्मकुमारियों चाना सेवाकेन्द्र संचालिका ब.कु. सपना, भारत के महावाणिज्य दूत लिंगम हावरी गुआंगडौ, प्रमोद भारतीय संगीतकार जयदेव मुखर्जी तथा अन्य।



समस्तीपुर-बिहार। प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा जिला समग्रपालय समारोह में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों व कर्मियों को सम्बोधित करते हुए ब.कु. ज्योतिषावलिनी। यथावत है अन्य स्थित समारोह करेश कुमार, स्थिति सतीश डी. संजय कुमार चौधरी, प्रशासक सेवा प्रभाग के मुख्यपालय संयोजक ब.कु. हरेश, गौतम अजय, ब.कु. गणु गुजरात, ब.कु. सीता, ब.कु. तरुण तथा अन्य।



नरवाना-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में साप्ताहिक कार्यक्रम एवं पूर्व मंत्री प्रधान एडवोकेट राजेश को ईश्वरीय भोग भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब.कु. सीता। साथ है ब.कु. पूजा, ब.कु. सतवीर सिंह तथा अन्य।



बधना-ओडिशा। ब्रह्मकुमारियों संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि को 18वीं पुण्यतिथि पर 'दीप दीपक स्मृत' में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान के पश्चात् समूह चित्र में प्रमाणपत्र के साथ स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब.कु. विन्दा तथा अन्य भाई-बहनें।

मानसिक उन्नति क्या है



रही है आपके जीवन में, आप दरअसल वही तो हैं। इसलिए मानसिक अवस्था, मानसिक उन्नति का जो सबसे बड़ा आधार है वो ये है कि इस बात को समझ जाना कि जीवन हमारा शुरू से अकेला हो रहा है। लेकिन अकेलापन को, प्यार से जीवन को स्वीकार करना इसकी ताकत हमारे अन्दर बहुत कम है।

परमात्मा निराकार शिव बाबा, शिव पिता हम सबको आकर ये बात रोज समझाते हैं कि तुम आत्माएं अकेले आये थे, अकेले जाना है। लेकिन वो बात सहजता से समझ इसलिए नहीं आती क्योंकि हम सबसे पहले ये बात स्वीकार करने को राजी नहीं कि सच में हम अकेले ही हैं जीवन में। हमारे आस-पास लोग जुड़ते जरूर हैं लेकिन जायेंगे जरूर। तो मानसिक उन्नति वही से शुरू हो जाएगी जब हम सबसे पहले उस बात को स्वीकार कर लेंगे, मान लेंगे, अपने अन्दर ढाल लेंगे कि हमारे जीवन में सबसे ज्यादा जरूरी है इस बात को मानना कि अकेलापन हमारा कोई दुर्भाग्य नहीं है, हमारा कोई अधूरेपन नहीं है। बल्कि ये हमारा सौभाग्य है, हमको ये बात समझ में आ रही है कि किसी के होने या न होने से मैं आत्मा भरपूर नहीं हूँ, ऐसा नहीं होता, मैं आत्मा हूँ ही भरपूर। अकेले थे, अकेले हैं, अकेले जाना है। इस अवस्था को स्वीकार करने से जीवन में हमारे हर फल, हर क्षण उन्नति होती रहेगी। और हमको लगेगा कि हम कुछ कर रहे हैं, मानसिक रूप से, शारीरिक रूप से, शब्दिक रूप से, सामाजिक रूप से। क्योंकि अवस्था अगर एक दिन में बदल जाती है तो बहुत कुछ बदल जाता है ना।

इसलिए इस बात को समझ के इसको जीवन में उपयोग करना ही हमारे जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। इसलिए मानसिक अवस्था को समझना, अकेलेपन को समझना, एकान्त को समझना मानसिक उन्नति ही है।

हम सभी का जीवन हमेशा दो पहलुओं से ओत-प्रोत है। एक तो किसी का आना और दूसरा है किसी का जाना। आने और जाने का सिलसिला निरन्तर चलता है। जब कोई जुड़ता है तो मानसिक शांति हमको ऐसा लगता है कि मिलती है। लेकिन चले जाने के बाद उदासी आती है ऐसा हमको लगता है। आप इन दोनों बातों को बड़े ध्यान से देखेंगे, सोचेंगे तो आपको एक बात समझ में आएगी कि जब ये दोनों चीजें हो रही हैं इसके पहले मैं क्या था? पहले का मतलब है जब ये घटना घट रही थी तो उसके पहले हमारी मानसिक अवस्था क्या थी? तो हम पाएंगे कि शुरू में जब कोई नहीं जुड़ा था तो भी हम अकेलापन महसूस कर रहे थे। लेकिन जब कोई जुड़के चला गया तो भी हम अकेलापन महसूस कर रहे हैं।

तो इसका मतलब जो हमारी असली अवस्था है वो एकान्त और अकेलापन है ना! क्योंकि दोनों में कॉमन है- जुड़ा तो,

नहीं जुड़ा, चला गया तो। दोनों स्थितियों में हम सभी बिल्कुल सिंगल हैं, अकेले हैं। अब आप देखो इस दुनिया में बीच-बीच में इन सब बातों से हमारा उमंग-उत्साह घट जाता है, प्रेम घट जाता है, भाव घट जाते हैं। क्योंकि इस मानसिक अवस्था को स्वीकार करने के लिए हम राजी नहीं हैं। हमें लगता है कि नहीं ये जीवन नहीं हो सकता, कोई तो चाहिए। किसी के साथ तो जीवन निर्वह करना पड़ेगा, ऐसे थोड़े ही रह सकते हैं!

ऐसे ही दूसरी स्थिति में जब कोई चला जाये तो कहते हैं हमेशा तो कोई साथ होता नहीं। तो हम सब उसी अधूरेपन को दूर करने के लिए अलग-अलग हथकंडे अपनाते हैं। कभी हम किसी चीज के साथ जुड़ते हैं, कभी वस्तु, कभी यूट्यूब, कभी फेसबुक कभी जो भी है सिर्फ ये जताने के लिए कि मेरे साथ कोई है, मेरे एकान्त अकेलेपन को कोई दूर कर रहा है। लेकिन ये सही नहीं है कि जो अवस्था बार-बार आ



कटक-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर हरियाणा योग आयोग एवं बाल रामदेव के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री नमन सिंह रानी, सांसद नवीन किरन, हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुधाप सुधा, ब.कु. प्रमोदा, ब.कु. राधा, बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण तथा अन्य गणमान्य अतिथिगण।



सिमर-ज्योतिपुर (हरियाणा)। राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान के पश्चात् समूह चित्र में विधायिका सावित्री किरन, ब.कु. अनिता तथा अन्य भाई-बहनें। मौके पर उपस्थित रहे हरियाणा की विधायिका तथा के निम्नलिखित डॉ. पवन कुमार, मेजर प्रवीण चौधरी, प्रे. नरसिंह बिस्नेई, कुलपति जेजेयू, एवायू रीजल्ट प्रमोद कुमार तथा अन्य अतिथिगण।



दिल्ली-राजौरी बाग़। सेवाकेन्द्र पर 8-18 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित वार्षिक रक्तदान कार्यक्रम 'विंस ऑफ प्रिंसेस-2025' में प्रतिभाग्य बच्चों के साथ ब.कु. शक्ति कान, ब.कु. कल्पना, जेन, मेहा तथा अन्य ब.कु. भाई-बहनें।



मधुस रिफरुवरी नगर-उ.प्र.। ब्रह्मकुमारियों संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर ब्रह्मकुमारियों सेवाकेन्द्र व सहायका चैरिंग टावर के सहयोग से ओमशान्ति ध्यानमार्ग सर्व जयेंटी डीमिस्ट में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान करते हुए सेवाकेन्द्र के 167वीं बर्थादिवस के जन्म, गुरु रिफरुवरी के कार्यक्रमों। साथ है स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब.कु. कृष्ण तथा अन्य। मौके पर उपस्थित रहे रिफरुवरी के चैरिंग कनस मेजर एकास स्विनर, जेजेय डीसी बर्मा, सीआईएसएल के कंसल्टेंट नीरज भारती तथा अन्य।

हाथरस-अनंतपुरी कोलोनी (उ.प्र.)। ब्रह्मकुमारियों संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि विश्व बंधुत्व दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब.कु. शान्ता तथा अन्य अपने प्रमाण पत्र के साथ रक्तदाता ब्रह्मकुमार भाई-बहनें।